कक्षा 8 राजनीति विज्ञान अध्याय 5 हाशियाकरण की समझ Notes

सामाजिक रूप से हाशिये पर

पक्षों / किनारे पर कब्जा करने के लिए मजबूर होना चाहिए और चीज़े केंद्र में नहीं होती है|

कारण

- अलग भाषा
- अलग धर्म
- अलग रिवाज
- सामाजिक स्थिति

क्या होता है?

- शत्रुता और भय के साथ देखा गया|
- मतभेद की भावना
- बहिष्करण
- वंचित
- कमजोरी

आदिवासी (आदिवासी)

- भूमि के मूल निवासी - जंगलों के साथ मिलकर रहते हैं|
- 500 अलग-अलग समूहों के साथ भारत की 8% आबादी - समरूप नहीं
- उड़ीसा में 60 जनजातीय समूह हैं|
- मुख्य रूप से झारखंड और छत्तीसगढ़ के खनन और औद्योगिक क्षेत्र में
- छोटे पदानुक्रम और जाति-वर्ण पद्धति से दूर
- जनजातीय धर्म का अभ्यास - मुख्य रूप से जीववादी- पूर्वजों, गांव और प्रकृति की आत्माओं की पूजा - उड़ीसा की जगन्नाथ पंथ और बंगाल और असम में शक्ति और तांत्रिक परंपराएं
- 19वीं शताब्दी - कई ईसाई धर्म में परिवर्तित (आधुनिक आदिवासियों में प्रमुख धर्म)
- रूढ़िवादी: वेशभूषा, सिर का पहनावा, नृत्य, विदेशी, आदिम, पिछड़ा, बदलने के लिए प्रतिरोधी
- अपनी खुदकी भाषा होती है - संथाली (सबसे बड़ा वक्ताओं)

जनजातीय और विकास

- वन महत्वपूर्ण थे|

https://www.evidyarthi.in/

- लौह और तांबे, सोने और चांदी, कोयले और हीरे, अमूल्य लकड़ी, अधिकांश औषधीय जड़ी बूटियों और पशु उत्पादों (मोम, लाख, शहद) और जानवरों जैसे धातु
- जनजातियों के पास पूर्ण नियंत्रण और विशाल मार्ग तक पहुंच थी|
- मुख्य रूप से शिकारी, संग्राहक या अस्थिरवासी के रूप में
- वन संसाधनों के लिए महत्वपूर्ण पहुंच के लिए साम्राज्य आदिवासी पर निर्भर थे|
- अब माना जाता है - हाशिए और शक्तिहीन
- असम में 70 लाख आदिवासी - चाय उद्योग की सफलता
- 1830 के दशक से, झारखंड के आदिवासी भारत और मॉरीशस, कैरीबियाई और ऑस्ट्रेलिया में वृक्षारोपण में चले गए|
- 19वीं शताब्दी - स्थानान्तरण में 5 लाख लोग मारे गए|
- न्यामगिरी पहाड़ी (पवित्र पहाड़) ओडिशा के कालाहांडी में स्थित है। इस क्षेत्र में डोंगरिया कोंड - एल्यूमीनियम सयंत्र बढ़ रहा है - पर्यावरणविदों का विरोध

चीजें कैसे बदलीं?

> आदिवासियों को राज्यों और निजी उद्योग द्वारा लगाए गए आर्थिक परिवर्तनों, वन नीतियों और राजनीतिक ताकत के जरिए मजबूर किया गया है ताकि वे बागानों में, निर्माण स्थलों पर, उद्योगों में और घरेलू श्रमिकों के रूप में जीवन में स्थानतंत्रित

कर सकें|

- मालिकीवाली वाली भूमि और समृद्ध थे|
- ठेकेदारों द्वारा दूर ले जाया गया|
- आजीविका बर्बाद हो गई थी|
- धमकी दी और पीटा गया|
- जमीन के लिए बहुत कम पैसा मिला
- खनन परियोजनाओं, बांध निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि
- पूर्वोत्तर राज्यों में - जमीन सैन्यीकरण है|
- वर्तमान वन्यजीव अभ्यारण्य और राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्रों से निष्कासित
- काम और आजीविका का मुख्य स्रोत खो गया
- कम मजदूरी नौकरियों या निर्माण स्थलों के लिए शहरों में स्थानांतरित हो गया|
- गरीबी और वंचित चक्र - कुपोषण और कम साक्षरता के चक्र में फंस गया|
- भूमि से विस्थापित - आमदनी खो दी , परंपरा और रीति-रिवाज

अल्पसंख्यक

- अल्पसंख्यक - समुदाय जो शेष जनसंख्या के संबंध में संख्यात्मक रूप से छोटे हैं।
- आकार हाशिए के कारण हो सकता है।
- संविधान भारत की सांस्कृतिक विविधता की रक्षा और समानता और न्याय को बढ़ावा देने के लिए सुरक्षा प्रदान करता है|
- मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होने पर नागरिक अदालत से संपर्क कर सकते हैं|

https://www.evidyarthi.in/

मुसलमान

- 2011 की जनगणना के अनुसार 14.23%
- हाशिये पर- विकास के सामाजिक-आर्थिक लाभों से वंचित (बुनियादी सुविधाओं तक कम पहुंच)
- राजिंदर सच्चर समिति - भारत में मुसलमानों की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्थिति की जांच करने के लिए - सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक संकेतकों की एक श्रृंखला पर मुस्लिम समुदाय की स्थिति अनुसूचित जाती / अनुसूचित जनजाति जैसे अन्य हाशिए वाले समुदायों की तुलना में कम पाठशाला का नामांकन और उच्च के साथ तुलनीय है। छोड़ने वाले बच्चों। अलग-अलग रीति-रिवाजों और परंपराओं - बुरखा, फेज़ पहने हुए, दाढ़ी रखे हुए|
- यहूदीकरण (सामुदायिक समुदाय के सदस्य द्वारा सुरक्षित क्षेत्र - सुरक्षित जीवन की भावना) - सामाजिक हाशिए परिकरण
- पूर्वाग्रह घृणा और हिंसा की ओर जाता है|
- इस स्थिति को हल करने के लिए रणनीतियों, उपायों और सुरक्षा की आवश्यकता है|
- इन समूहों में से प्रत्येक का संघर्ष और प्रतिरोध का लंबा इतिहास है|
- मापदंड पर समुदाय अधिकार, विकास और अन्य अवसरों तक पहुंच के दौरान अपनी सांस्कृतिक विशिष्टता को बनाए रखना चाहते हैं|

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/